आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 98 | उज्जैन, शुक्रवार 28 फरवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

पूरे प्रदेश में मनाया जाएगा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री करेंगे सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्टेम एजुकेशन'' का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 28 फरवरी को मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन स्टेम एजुकेशन'' का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विद्यार्थियों के लिए आयोजित वर्कशॉप का अवलोकन कर उनसे संवाद भी करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पूरे प्रदेश के विद्यार्थियों को ऑनलाईन माध्यम से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संबोधित करेंगे। प्रदेश में 250 से अधिक स्थानों पर पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी एवं विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा नवाचार से संबंधित लोग शामिल होंगे।

भारत सरकार द्वारा इस वर्ष कार्यक्रम की थीम ''विकसित भारत के लिए विज्ञान और नवाचार में वैश्विक नेतृत्व में भारतीय युवाओं को सशक्त बनाना'' है। प्रदेश के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालय, वैज्ञानिक संस्थान एवं अन्य संस्थाएं भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम में सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर पूरे राज्य में विज्ञान दिवस समारोह, कार्यशालाएं, वैज्ञानिक-सत्र, संवाद, विज्ञान आधारित प्रतियोगिताएं एवं अनुसंधान टेक्नोलॉजी पर आधारित गतिविधियां संचालित होंगी।

कार्यक्रम में अपर मुख्य सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे, संचालक हिन्दी ग्रंथ अकादमी, श्री अशोक कड़ेल, निदेशक विक्रमादित्य शोधपीठ संस्थान एवं संस्कृति सलाहकार श्री श्रीराम तिवारी और महानिदेशक, म.प्र.विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद डॉ. अनिल कोठारी भी उपस्थित रहेंगे।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य कार्यक्रम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के विज्ञान भवन, नेहरू नगर, भोपाल स्थित सभागार में प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ होगा।

हार्वर्ड के प्रोफेसरों ने महाकुंभ को बताया परंपरा और प्रौद्योगिकी का संगम

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के प्रतिष्ठित हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रोफेसरों ने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में परंपरा एवं प्रौद्योगिकी से लेकर वाणिज्य और आध्यात्मिकता के मेल पर रौशनी डाला। उन्होंने दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम से सबक लेने और इसके अवसरों पर जोर दिया।

न्यूयार्क में भारत के वाणिज्य दूतावास ने सोमवार को एक विशेष चर्चा का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था, इनसाइट्स फ्रॉम द वर्ल्ड्स लार्जेस्ट स्प्रिचुअल गैदरिंग- महाकुंभ। आयोजन में प्रोफेसर तरुण खन्ना, प्रोफेसर डायना ईक और सहायक प्रोफेसर टियोना जुजुल शामिल थीं।

प्रोफेसरों ने 2013 में कुंभ मेले में बिताए समय के दौरान किए गए शोध से अपने अनुभव साझा किए और इस वर्ष की तीर्थयात्रा के दौरान आध्यात्मिकता और इंजीनियरिंग से लेकर प्रशासन एवं परंपरा, प्रौद्योगिकी व अर्थशास्त्र के मेल तक विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।

कुंभ के पहलुओं पर चर्चा- न्यूयार्क में भारत के महावाणिज्य दूत विनय प्रधान की मेजबानी में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खन्ना ने कुंभ मेला में मानकों, स्वच्छता और प्रौद्योगिकी के पहलुओं को रेखांकित किया।

कई शताब्दियों की नींव रख गया कुंभ, एकता का महायज्ञ संपन्न – पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाकुंभ आज संपन्न हो गया। 45 दिनों तक चले इस महाआयोजन में 66 करोड़ से अधिक लोगों ने संगम में स्नान कर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया। वहीं अब पीएम मोदी ने महाकुंभ संपन्न होने के बाद एक ब्लॉग में अपने विचार शेयर किए हैं।

उन्होंने सबसे पहले कहा, महाकुंभ संपन्न हुआ एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में पूरे 45 दिनों तक जिस प्रकार 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ, एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ी, वो अभिभूत करता है! महाकुंभ के पूर्ण होने पर जो विचार मन में आए, उन्हें मैंने कलमबद्ध करने का प्रयास किया है।

पीएम ने कहा है, 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे, बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया।

सुरंग में फंसे 8 लोगों तक रेस्क्यू टीम के जल्द पहुंचने की उम्मीद, गैस कटर से TBM मशीन को काटा जा रहा

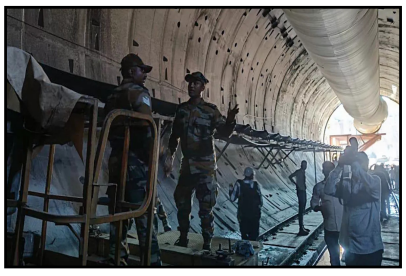

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में पिछले पांच दिन से अधिक समय से सुरंग में फंसे 8 मजदूरों को बाहर निकालने का अभियान तेज कर दिया गया है। सेना, नौसेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें युद्धस्तर पर अभियान में जुटी हैं। हालांकि अभी तक मजदूरों से किसी भी प्रकार का संपर्क नहीं हो पाया है। अब बचाव दल ने टनल बोरिंग मशीन और अन्य मलबे को काटना शुरू कर दिया है। मशीन को काटने के बाद टीम सुरंग में आगे बढ़ेगी।

नगरकुरनूल के पुलिस अधीक्षक वैभव गायकवाड़ ने कहा कि सुरंग में कन्वेयर बेल्ट के क्षतिग्रस्त हिस्से को ठीक कर दिया गया है। इसके माध्यम से मलबे को अंदर से बाहर निकाला जा सकेगा। जब अधिकारी से पूछा गया कि क्या गैस कटर ने काम करना शुरू कर दिया है तो उन्होंने कहा कि रात में ही गैस कटर से कुछ हिस्सा काटा गया है। कटाई का काम कल रात से ही शुरू हो चुका है। एसपी ने कहा कि वह इस बात का जवाब नहीं दे सकते कि फंसे हुए लोगों का आज पता चल पाएगा या नहीं।

टुकड़ों में काटकर निकाली जाएगी टीबीएम- तेलंगाना के मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बुधवार को कहा कि अंदर लगी टीबीएम को गैस कटर से टुकड़ों में काटकर निकाला जाएगा। इसके बाद सेना, नौसेना, रैट माइनर्स और एनडीआरएफ की टीमें अंदर फंसे 8 लोगों को बाहर निकालने की कोशिश करेंगे।

श्रमिकों में खौफ- इस बीच खबर आ रही है कि सुरंग निर्माण में लगे मजदूरों ने डर की वजह से काम से घर लौटने की बात कही है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि श्रीशैलम लेफ्ट बैंक नहर परियोजना पर 800 लोग काम कर रहे हैं। इनमें से 300 स्थानीय लोग हैं।

दोषियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध सही नहीं, केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सजायाफ्ता दोषियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग का सुप्रीम कोर्ट में विरोध करते हुए मौजूदा छह वर्ष के प्रतिबंध के कानून को सही ठहराया है। केंद्र ने जवाबी हलफनामा दाखिल कर कहा है कि दोषियों के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगाना संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

याचिकाकर्ता की मांग के मुताबिक दोषियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाना उचित नहीं होगा। दोषियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध की मांग एक प्रकार से कानून के पुनर्लेखन की मांग है जो न्यायिक समीक्षा के क्षेत्राधिकार के बाहर है। मामले में कोर्ट चार मार्च को सुनवाई करेगा।

वकील अश्वनी उपाध्याय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर दोषियों के चुनाव लड़ने पर आजीवन प्रतिबंध लगाने की मांग की है। सरकार ने इसी याचिका के जवाब में यह हलफनामा किया है।

केंद्र ने हलफनामे में कहा है कि सुप्रीम कोर्ट न्यायिक समीक्षा के दौरान किसी कानून को असंवैधानिक ठहरा सकता है और उस कानून को निष्क्रिय घोषित कर सकता है लेकिन याचिकाकर्ता ने जो मांग की है वह एक तरह से कानून को दोबारा लिखने की मांग है, न्यायिक समीक्षा और संवैधानिक कानून में ऐसा नहीं होता। केंद्र ने कहा है कि जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने की अयोग्यता अधिकतम है जो कि सिर्फ कानूनी प्रविधानों के तहत हो सकती है और ऐसी अयोग्यता लगाना निश्चित तौर पर संसद के अधिकार क्षेत्र में आता है।

भारत से कारोबारी रिश्तों पर गंभीर हुए आस्ट्रेलिया और EU

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पारस्परिक शुल्क संबंधी नीतियों ने वैश्विक कारोबार व्यवस्था को लेकर जिस तरह की अनिश्चितता फैलने लगी है, उसका असर वैश्विक आर्थिक संबंधों पर भी साफ दिखने लगा है। आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ (ईयू) भारत के साथ आर्थिक संबंधों को लेकर अब पहले के मुकाबले ज्यादा गंभीर दिख रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, बुधवार (26 फरवरी) को आस्ट्रेलिया की अल्बनीज सरकार ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों के भविष्य को लेकर एक रोडमैप जारी किया है।

अमेरिकी टैरिफ को लेकर कांग्रेस की वॉर्निंग! कहा- टूट जाएगी इकोनॉमी की कमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से जवाबी शुल्क लगाने की बात को लेकर कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार को इस अपमान का मुकाबला करना चाहिए और अमेरिका से यह स्पष्ट करना चाहिए कि इस तरह के कदम भारत के लिए स्वीकार्य नहीं हैं, क्योंकि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया जा सकता है।

कांग्रेस नेता अजय कुमार ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात के वीडियो के कुछ हिस्से दिखाए। उन्होंने यह दावा किया कि जहां मैक्रों ने ट्रम्प को सही किया, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने मौन रहे। उन्होंने कहा, जब ट्रम्प भारत को शुल्क उल्लंघनकर्ता कह रहे थे, तब मोदी चुप थे।

भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा असर - अजय कुमार ने चेतावनी दी कि अगर भारत के उत्पादों जैसे सेब और अंगूरों पर शुल्क हटा दिया गया, तो राज्य जैसे हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के किसान प्रभावित होंगे। इसके अलावा, भारतीय कार उद्योग और इलेक्ट्रॉनिक सामानों पर भी भारी नुकसान हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर विदेश से अधिक सामान आने लगे तो देश में निर्माण उद्योग पर गहरा असर पड़ेगा।

मोदी सरकार की नीतियों पर हमला- कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी सरकार पहले ही कई गलत नीतियों का सामना कर चुकी है, जैसे नोटबंदी, जीएसटी और अनियोजित लॉकडाउन। इसके अलावा, अमेरिका से कुछ प्रमुख उत्पादों पर शुल्क कम करने के मोदी सरकार के फैसले की भी उन्होंने आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इससे भारतीय अर्थव्यवस्था पहले ही संकट में है, और अब अगर टैरिफ हटाए गए तो इसका और अधिक नकरात्मक असर होगा।

भारत को अमेरिका से करना चाहिए संवाद- कांग्रेस नेता अजय कुमार ने मोदी सरकार से अमेरिका के समक्ष अपने अधिकारों की रक्षा करने की अपील की। उन्होंने कहा, भारत को अमेरिका के साथ संवाद करना होगा और कह देना होगा कि यह जवाबी शुल्क स्वीकार्य नहीं हैं।

तो क्या यूनुस को भी छोड़नी पड़ेगी सत्ता? विद्रोही छात्रों का गुट बनाएगा सियासी दल

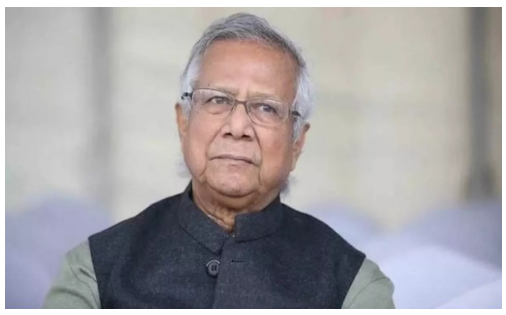

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल 5 अगस्त को शेख हसीना को पद और देश छोड़ने पर मजबूर करने वाले छात्र समूह ने अब नई सियासी पार्टी शुरू करने का एलान किया है। छात्र समूह का दावा है कि यह सियासी दल नए बांग्लादेश की आकांक्षा को पूरा करेगा।

पार्टी की शुरुआत राजधानी ढाका में संसद भवन के दक्षिण में स्थित माणिक मिया एवेन्यू में एक भव्य रैली से होगी। इस बीच प्रमुख छात्र नेता नाहिद इस्लाम ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार से इस्तीफा दे दिया है।

छात्र समूह के एक मंच जतियो नागोरिक समिति के प्रवक्ता सामंता शेरमीन ने कहा कि जुलाई 2024 के विद्रोह के बाद बांग्लादेश में जो नई उम्मीदें और आकांक्षाएं पैदा हुई हैं, उनके तहत छात्रों ने एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का फैसला किया है।

शेरमीन ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक दलों की विचारधारा बांग्लादेश के सभी लोगों का प्रतिनिधित्व नहीं करती है। छात्र बांग्लादेश को दक्षिण एशिया में एक आधुनिक और अहम देश के तौर पर विकसित करना चाहते हैं।

बांग्लादेश सरकारी दमन का शिकार- सामंता शेरमीन ने कहा कि बांग्लादेश पिछले 53 वर्षों से सरकारी दमन का शिकार हुआ है। देश की संस्थाओं को नष्ट कर दिया गया है। संस्थाओं का इस्तेमाल पार्टी और व्यक्तिगत उद्देश्यों के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि बांग्लादेश के लोगों के पास कुछ अधिकार हैं। इन अधिकारों के आधार पर ही हमारी भविष्य की राजनीति देखी जाएगी। हम अधिकार आधारित राजनीति की बात कर रहे हैं। हम सेवा की राजनीति की बात कर रहे हैं। हम सबको साथ लेकर चलने की बात कर रहे हैं।

हसीना के बाद यूनुस ने संभाली कमान

बांग्लादेश में पिछले साल जुलाई में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का गुस्सा फूटा था। बाद में यह गुस्सा शेख हसीना के खिलाफ तब्दील हो गया। ढाका में हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच 5 अगस्त को शेख हसीना ने पद और देश दोनों छोड़ दिया। तब से उन्होंने भारत में शरण ले रखी है। आठ अगस्त को नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख बने।

सभी के साथ समानता के रिश्ते चाहता है बांग्लादेश- शेरमीन ने कहा कि डॉ. यूनुस जमात या बीएनपी का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। वे विद्रोह का प्रतिनिधित्व करते हैं। सभी सलाहकार विद्रोह का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे किसी भी सियासी दल की नुमाइंदगी नहीं करते हैं। शेरमीन ने कहा कि सभी देशों के साथ बांग्लादेश के संबंध निष्पक्षता और समानता पर आधारित होने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि किसी भी तरह का अनुदान या ऋण बांग्लादेश की नीति में बाधा न बने।

हमें वीजा चाहिए, अभी तक नहीं मिला, अमेरिका में सड़क हादसे का शिकार हुई भारतीय छात्र के माता-पिता का छलका दर्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में इस महीने सड़क दुर्घटना का शिकार हुई भारतीय छात्रा कोमा में चली गई है। महाराष्ट्र में उसके परिवार के सदस्य उससे मिलने के लिए वीजा को लेकर केंद्र से मदद मांग रहे हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के सतारा जिले की निवासी 35 वर्षीय नीलम शिंदे को 14 फरवरी को कथित तौर पर एक कार ने टक्कर मार दी थी और वह फिलहाल आईसीयू में है।

पुलिस ने कार चालक को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पिता तानाजी शिंदे ने इस मामले में कहा, हमें 16 फरवरी को दुर्घटना के बारे में पता चला और तब से हम वीजा के लिए कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हमें अभी तक वीजा नहीं मिला है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर से मांगी मदद- एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने शिंदे के पिता को वीजा दिलाने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद मांगी। उन्होंने कहा, यह एक चिंताजनक मुद्दा है और हम सभी को मिलकर इसे सुलझाने में मदद करनी चाहिए। सुले ने कहा, मैं परिवार से बात कर रही हूं और उन्हें आश्वस्त कर रही हूं कि यह मुद्दा सुलझ जाएगा।

एनसीपी सांसद ने एक्स पर जयशंकर को टैग- सुप्रिया सुले ने यह भी कहा कि भाजपा नेता जयशंकर के साथ उनके राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन जब भी विदेश में भारतीय छात्रों के मुद्दे की बात आती है, तो वे बहुत मददगार और सहानुभूतिपूर्ण होते हैं।

सुले ने कहा, एमईए (विदेश मंत्रालय) के साथ मेरा अनुभव असाधारण रूप से बहुत अच्छा रहा है। वे हमेशा मदद करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुंबई में अमेरिकी दूतावास से भी संपर्क किया है।

पाकिस्तान फेल देश... अंतरराष्ट्रीय दान पर टिका, किसी को उपदेश न दे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को जमकर लताड़ा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र की सातवीं बैठक में भारत ने कहा कि पाकिस्तान एक फेल देश है। वह अंतरराष्ट्रीय दान पर टिका है। भारत ने कहा कि आतंकवादियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान लगातार झूठ फैला रहा है। यह फेल देश ओआईसी का समय भी बर्बाद कर रहा है। मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाले पाकिस्तान को उपदेश देने की जरूरत नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के क्षितिज त्यागी ने कहा , यह देखना दुखद है कि पाकिस्तान के नेता और प्रतिनिधि अपने सैन्य आतंकवादी समूह के झूठ को लगातार फैलाने में जुटे हैं। पाकिस्तान ओआईसी को अपने मुखपत्र के रूप में इस्तेमाल करके उसका मजाक उड़ा रहा है।

ओआईसी का समय बर्बाद कर रहा फेल देश- त्यागी ने आगे कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ओआईसी का समय एक फेल देश बर्बाद कर रहा है। यह देश अंतरराष्ट्रीय सहायता पर जीवित है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की बयानबाजी पाखंड, अमानवीयता और अक्षमता से भरी हुई है। भारत लोकतंत्र, प्रगति और अपने लोगों के लिए सम्मान सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

भारतीय टॉपर छात्रों पर ट्रंप की निगाहें, कहा- नौकरियों पर रखें कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के सामने गोल्ड कार्ड योजना का खुलासा किया। इसके तहत 50 लाख डॉलर खर्च करने के बाद कोई भी अमेरिका का नागरिक बन सकता है। ट्रंप के इस प्लान के बाद उन पर केवल धनी आप्रवासियों को लाभ पहंचाने का आरोप लगा। मगर अब ट्रंप ने अपने प्लान का बचाव किया है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि गोल्ड कार्ड के तहत अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों को नौकरी पर रख सकती हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पहले कंपनियों को अमेरिका में पढ़ने वाले भारतीय ग्रेजुएट को नौकरी में रखने में दिक्कत आती थी, क्योंकि उन्हें यह पता नहीं होता था कि वह अमेरिका में रह सकेंगे या नहीं। इसके बाद अमेरिका में पढ़ने वाले भारतीय ग्रेजुएट वापस अपने देश चले जाते थे। वहां कंपनी खोलते हैं। हजारों लोगों को रोजगार देते हैं और अरबपति बन जाते हैं।

ट्रंप ने कहा कि कुछ कंपनियां गैर-अमेरिकी छात्रों को काम पर रखना चाहती हैं। मगर आव्रजन अनिश्चितता की वजह से वे ऐसा नहीं कर पाती हैं। मुझे कुछ कंपनियों से ऐसे कॉल आते हैं, जो स्कूल में नंबर एक छात्रों को काम पर रखना चाहती हैं। गोल्ड कार्ड से गैर-अमेरिकियों को नौकरियों पर रखना आसान होगा।

ट्रंप ने आगे कहा कि एक युवक भारत, चीन और जापान जैसे देशों से आता है।

डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट मीटिंग में Reuters समेत इन समाचार एजेंसी के पत्रकारों पर रोक, क्या है राष्ट्रपति का प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में व्हाइट हाउस में मीडिया करवरेज को लेकर नए नियम बनाए गए हैं। वहीं दूसरी ओर खबर आ रही है कि व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली कैबिनेट बैठक में कुछ समाचार संगठनों के पत्रकारों को एंट्री देने से मना कर दिया।

मीडिया कवरेज के संबंध में प्रशासन की नई नीति के अनुसार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली कैबिनेट बैठक में रॉयटर्स और अन्य समाचार संगठनों के पत्रकारों को प्रवेश देने से मना कर दिया।

व्हाइट हाउस ने इनकी एंट्री पर लगाई रोक- व्हाइट हाउस ने एसोसिएटेड प्रेस के एक फोटोग्राफर और रॉयटर्स, हफपोस्ट और जर्मन अखबार डेर टैगेस्पीगल के तीन पत्रकारों को प्रवेश देने से मना कर दिया। एबीसी और न्यूजमैक्स के टीवी क्रू के साथ-साथ एक्सियोस, द ब्लेज, ब्लूमबर्ग न्यूज और एनपीआर के संवाददाताओं को इस कार्यक्रम को कवर करने की अनुमति दी गई।

मंगलवार को, ट्रंप प्रशासन ने एलान किया कि व्हाइट हाउस यह निर्धारित करेगा कि कौन से मीडिया आउटलेट ओवल ऑफिस जैसे छोटे स्थानों में राष्ट्रपति को कवर करेंगे।

अब कौन करेगा ट्रंप की मीटिंग को कवर- व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन ने पारंपरिक रूप से राष्ट्रपति प्रेस पूल के रोटेशन का समन्वय किया है। रॉयटर्स, एक अंतरराष्ट्रीय वायर सेवा, दशकों से पूल में भाग लेती रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि पारंपरिक मीडिया संगठनों को अभी भी ट्रंप को दिन-प्रतिदिन कवर करने की इजाजत होगी, लेकिन प्रशासन की योजना छोटे स्थानों में भाग लेने वालों को बदलने की है।

पहले भर्ती पर लगाई रोक, अब 30 दिन में American Transgender Soldiers की आर्मी से होगी छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से सत्ता में आए हैं वो ट्रांसजेंडरों के खिलाफ कई कड़े फैसले ले रहे हैं। अब अदालत में दी गई जानकारी के अनुसार, ट्रंप सरकार ट्रांसजेंडर सैनिकों को अमेरिकी सेना से हटाने जा रही है।

ट्रांसजेंडर्स को पहले ही सेना में शामिल होने या सेवा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले महीने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें व्यक्तिगत रूप से ट्रांसजेंडर सैनिकों को निशाना बनाया गया था।

ट्रांसजेंडर पर क्या बोले ट्रंप- ट्रंप ने कहा कि एक पुरुष जो खुद को महिला के रूप में पहचानता है, वह एक सैनिक नहीं बन सकता है। इस महीने, पेंटागन ने कहा था कि अमेरिकी सेना अब ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को शामिल होने की अनुमति नहीं देगी और सेवा सदस्यों के लिए लिंग परिवर्तन से जुड़ी प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाना बंद कर देगी।

ट्रांसजेंडर्स को 30 दिनों में बाहर किया जाएगा- ट्रंप सरकार ने कोर्ट में कहा कि हम 30 दिनों के भीतर ट्रांसजेंडर सैनिकों की पहचान करने के लिए एक प्रक्रिया बनाएंगे और फिर उसके 30 दिनों के भीतर उन्हें सेना से अलग करेंगे।

पेंटागन द्वारा ये भी कहा गया है, अमेरिकी सरकार की नीति है कि सैनिक की तत्परता, घातकता, सामंजस्य, ईमानदारी, विनम्रता, एकरूपता और अखंडता के लिए उच्च मानक स्थापित किए जाएं।

15000 से ज्यादा है ट्रांसजेंडर सैनिकों की संख्या- अमेरिकी रक्षा विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सेना में लगभग 13 लाख सक्रिय सैनिक हैं।

भारतीयों पर कैसे असर डालेगा ट्रंप का गोल्ड कार्ड प्लान, कैसे मिलेगी नागरिकता; कितना करना पड़ेगा खर्च?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अवैध तरीके से घुस आए अप्रवासियों को वापस उनके देश भेज रहे हैं और इसके लिए उन्होंने मुहिम चला रखी है। दूसरी तरफ ट्रंप अमीरों के लिए एक ऑफर लेकर आए हैं जिसके तहत वे मोटी रकम खर्च करके अमेरिका की नागरिकता हासिल करने के लिए पात्र हो सकते हैं। आइये जानते हैं कि क्या है ऑफर और इससे भारतीयों पर क्या असर होगा?

निवेश और नौकरी बढ़ाने पर जोर- ट्रंप ने बुधवार को गोल्ड कार्ड प्लान का एलान किया। उन्होंने कहा कि 50 लाख डॉलर की फीस देकर अप्रवासी अमेरिका में रहने का परमिट हासिल कर सकते हैं। यह प्लान मौजूदा 35 वर्ष पुराने ईबी-5 वीजा कार्यक्रम की जगह लेगा। ईबी वीजा कार्यक्रम के तहत कोई भी व्यक्ति अमेरिका में 10 लाख डॉलर का निवेश करके वहां रहने का परमिट हासिल कर सकता है।

ईबी-5 से कितना अलग है गोल्ड कार्ड- दोनों तरह के वीजा में बहुत बड़ा अंतर है। मौजूदा ईबी-5 कार्यक्रम के तहत, विदेशी निवेशकों को अमेरिका की कंपनियों में 8 से 10 लाख डॉलर के बीच निवेश करना पड़ता है और कम से कम 10 नई नौकरियों का सृजन करना पड़ता है। इसके अलावा ग्रीन कार्ड के लिए 5-7 वर्ष तक इंतजार भी करना पड़ता है।

विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए 1990 में शुरू किए गए इस कार्यक्रम पर पिछले कई वर्षों से दुरुपयोग और धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं। अब गोल्ड कार्ड वीजा प्लान की फीस पांच गुना बढ़ाकर 50 लाख डॉलर तय की गई है।

सरकार परिवर्तन के लिए मीडिया इंडस्ट्री का साथ देने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीएनपीए कॉन्क्लेव 27 फरवरी यानी आज नई दिल्ली में आयोजित हुआ। इस कॉन्क्लेव क सब्जेक्ट एआई के युग में मीडिया परिवर्तन था। दिन भर चलने वाले इस कॉन्क्लेव में डिजिटल न्यूज मीडिया के भविष्य, उभरती संभावनाओं और एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों पर बातचीत करने के लिए दुनिया भर के एक्सपर्ट, मंत्री एक साथ, एक मंच पर आएं ।

केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव इस अवसर पर चीफ गेस्ट थे। माननीय मंत्री जी का डीएनपीए सम्मेलन के लिए संदेश आया है, क्योंकि वे आज प्रयागराज की अपरिहार्य यात्रा के कारण व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके।

इस दौरान उन्होंने कहा, मैं इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए DNPA में अपने सभी सहकर्मियों को बधाई और आभार व्यक्त करता हूं। यह एक शानदार सम्मेलन है। इस सम्मेलन के माध्यम से, आज के डिजिटल मीडिया परिदृश्य और विकसित होती दुनिया में पारंपरिक मीडिया से नए मीडिया में परिवर्तन पर बेहतरीन चर्चाएं होंगी। मैं निश्चित रूप से इन चर्चाओं से निकलने वाले सुझावों को जानना चाहूंगा।

मित्रों, मीडिया जगत आज एक महत्वपूर्ण बदलाव से गुजर रहा है। पारंपरिक मीडिया के साथ-साथ, जिसमें समाचार पत्र और टेलीविजन प्रमुख माध्यम हैं, डिजिटल मीडिया भी महत्वपूर्ण रूप से उभरा है। कई क्षेत्रों में, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच, पारंपरिक मीडिया से डिजिटल मीडिया की ओर पूर्ण बदलाव हुआ है। ऐसे में, हम पारंपरिक मीडिया में अपनी भूमिका को कैसे देखते हैं? हम इस बदलाव के लिए खुद को कैसे ढालते हैं?

मुंबई के डिफेंस क्लब में 78 करोड़ की हेराफेरी, महिला अफसर का हाथ होने के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नौसेना ने मुंबई के कोलाबा स्थित डिफेंस क्लब में 78 करोड़ रुपये की वित्तीय हेराफेरी के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। युनाइटेड सर्विसेज क्लब (यूएसआई) में हुई धांधली में डिफेंस से जुड़ी एक महिला के लिप्त होने के संकेत मिले हैं।

रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि नौसेना की शुरुआती जांच में क्लब में पिछले दो दशकों से काम करने वाली एक महिला अधिकारी की तरफ उंगलियां उठ रही हैं। वही युनाइटेड सर्विसेज क्लब के संचालन की देखरेख कर रही है।

भारतीय नौसेना स्थानीय पुलिस को सौंपेगी केस - लिहाजा, भारतीय नौसेना ने तय किया है कि एक बार अपने स्तर पर आंतरिक जांच पूरी करने के बाद वह इस मामले की जांच को पूरी तरह से स्थानीय पुलिस को ही सौंप देगी।

नौसेना इस मामले में शामिल सिवेलियन (असैनिक) लोगों का भी पता लगाएगी।

रक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि देश की तीनों सेनाएं 97 साल पुराने युनाइटेड सर्विसेज क्लब (यूएसआई) को संचालित करती हैं।

एक-दूसरे का समर्थन करते हैं आतंकी संगठन, इजरायली राजदूत ने हमास लड़ाकों के गुलाम कश्मीर के दौरे पर जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने बुधवार को उन खबरों पर चिंता जताई, जिनमें इस महीने की शुरुआत में फलस्तीनी संगठन हमास के लड़ाकों के गुलाम जम्मू-कश्मीर दौरे और जैश-ए-मोहम्मद तथा लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों के साथ बैठक करने की बात कही गई थी।

आतंकवादी संगठन एक नेटवर्क में काम करते हैं- उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से आतंकवादी संगठन एक नेटवर्क मेंकाम करते हैं और कई बार वे एक-दूसरे का समर्थन करने के तरीके ढूंढ लेते हैं। यह न केवल हमारे क्षेत्र के लिए, बल्कि कई देशों के लिए हानिकारक होता है।

अजार ने आइएएनएस को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा कि आतंकियों के साथ हमास लड़ाकों की बैठक बताती है कि किस तरह ये आतंकवादी संगठन एक-दूसरे को प्रेरित कर रहे हैं। जाहिर है वे अपने साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सहयोग कर रहे हैं। यह ऐसी चीज है जिस पर हमें ध्यान देना होगा।

अमेरिकी लड़ाकू विमान एफ-35 का जिक्र करते हुए अजार ने कहा कि इसने मध्य-पूर्व के आसमान पर इजरायल का वर्चस्व स्थापित करने में अपनी उपयोगिता साबित की है। यदि भारत भी यह विमान हासिल करता है तो इसमें कोई संदेह नहीं कि इसे भी उसी प्रकार की बढ़त मिलेगी।

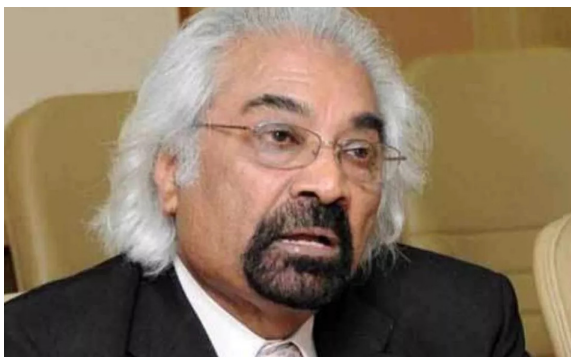

रांची में कोई IIT नहीं है, सैम पित्रोदा के हैकिंग वाले दावे पर शिक्षा मंत्रालय का जवाब; कहा- कानूनी परिणाम भुगतने होंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने दावा किया कि आईआईटी रांची के छात्रों को वर्चुअली संबोधित करते समय किसी ने कार्यक्रम को हैक कर लिया। इसके बाद आपत्तिजनक सामग्री चला दी।

अब शिक्षा मंत्रालय ने सैम पित्रोदा के दावों का खंडन किया और कहा कि रांची में कोई आईआईटी नहीं है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की छवि को धूमिल करने की कोशिश की गई तो कानूनी परिणाम भी भुगतने होंगे।

पित्रोदा ने क्या किया था दावा- शिक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि यह संज्ञान में आया है कि सैम पित्रोदा ने 22 फरवरी 2025 को अपने एक्स हैंडल पर एक वीडियो साझा किया था। उन्होंने वीडियो में कहा कि वह आईआईटी रांची में सैकड़ों छात्रों को संबोधित कर रहे थे और किसी ने उसे हैक कर लिया। कुछ आपत्तिजनक सामग्री चलानी शुरू कर दी। इससे कार्यक्रम बाधित हो गया।

शिक्षा मंत्रालय ने आगे कहा कि यह स्पष्ट किया जाता है कि रांची में कोई आईआईटी नहीं है। इसलिए वीडियो में कही गई बात न केवल निराधार है बल्कि अज्ञानता से भी भरी है। रांची में एक भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) है। मगर आईआईआईटी रांची ने इस बात की पुष्टि की है कि संस्थान ने सैम पित्रोदा को किसी भी सम्मेलन/सेमिनार में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित नहीं किया था।

आईआईटी से निकले कई प्रतिभाशाली लोग- मंत्रालय ने कहा कि इस तरह का लापरवाही भरा बयान देश के एक अत्यंत प्रतिष्ठित संस्थान यानी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की छवि को खराब करने की कोशिश लगती है। यह संस्थान समय की कसौटी पर खरा उतरा है। यहां से देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली लोग निकले हैं।

जीएसटी, सीमा शुल्क और एफआईआर से संबंधित मामले पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, गिरफ्तारी से पहले जमानत के लिए जा सकेंगे कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक महत्वपूर्ण फैसलों पर सुनवाई की। कोर्ट ने जीएसटी, सीमा शुल्क और एफआईआर से संबंधित मामलों पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि अग्रिम जमानत का प्रावधान गुड और सर्विस एक्ट तथा सीमा शुल्क कानून पर लागू होता है और व्यक्ति गिरफ्तारी से पहले जमानत के लिए अदालत जा सकता है, भले ही उसके खिलाफ कोई स्न्द्धक्रदर्ज न हुई हो।

पिछले साल स्ष्ट ने सुरक्षित रखा था फैसला- मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश तथा न्यायमूर्ति बेला एम.त्रिवेदी की पीठ ने सीमा शुल्क अधिनियम, जीएसटी अधिनियम में दंडात्मक प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पिछले साल 16 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अदालत ने कहा है कि अगर गिरफ्तारी की आशंका है, तो पक्षकार राहत के लिए एफआईआर दर्ज हुए बिना कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकते हैं।

न्यायालय ने यह भी कहा कि गिरफ्तारी के संबंध में त्तस्ज्ञ विभाग द्वारा जारी परिपत्रों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए

इन याचिकाओं में कहा गया था कि ये दंड प्रक्रिया संहिता सीआरपीसी तथा संविधान के साथ असंगत हैं। फैसला सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि अग्रिम जमानत जैसे मुद्दों पर सीआरपीसी तथा उसके बाद के कानून भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के प्रावधान सीमा शुल्क तथा जीएसटी अधिनियमों के तहत आने वाले व्यक्तियों पर लागू होंगे।

2018 में दायर हुई थी याचिका इसने कहा कि जीएसटी तथा सीमा शुल्क अधिनियमों के तहत संभावित गिरफ्तारी का सामना कर रहे व्यक्ति प्राथमिकी दर्ज होने से पहले भी अग्रिम जमानत लेने के हकदार हैं। फैसले का इंतजार है। मुख्य याचिका 2018 में राधिका अग्रवाल द्वारा दायर की गई थी।

पुणे रेप केस के आरोपी पर एक लाख का इनाम, फोटो जारी, तलाश में लगी 13 टीमें...

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुणे के स्वर्गेट डिपो में एक बस के अंदर 26 वर्षीय महिला के साथ रेप का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। विपक्ष के हमले के बाद अब फडणवीस सरकार भी एक्शन मोड में है।

महाराष्ट के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने पुणे के स्वर्गेट बस डिपो के सहायक परिवहन अधीक्षक और बस डिपो प्रबंधक के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए हैं।

पुणे पुलिस ने आरोपी की पहचान जारी कर दी है। आरोपी का नाम दत्तात्रेय रामदास गाडे है, जिसकी गिरफ्तारी में मदद करने वाले व्यक्ति को 1 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है। पुलिस ने आरोपी की फोटो भी जारी की है। आरोपी ने बीते दिन बस में 26 वर्षीय महिला के साथ बलात्कार किया था।

मंत्री सरनाईक ने दिए ये निर्देश- मंत्री सरनाईक ने जांच में दोषी पाए जाने पर दोनों को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, मंत्री ने इसी के साथ महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (स्न्स्न्क्रञ्ष्ट) को स्वर्गेट बस डिपो में सभी मौजूदा सुरक्षा कर्मियों को बदलने का निर्देश दिया है।

इससे बेहतर सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाने की बात कही गई है।

ये है मामला- बता दें कि घटना मंगलवार की सुबह हुई जब बलात्कार पीड़िता, फलटण में अपने घर लौटने के लिए बस का इंतजार कर रही थी। कथित तौर पर आरोपी ने उससे दीदी कहकर संपर्क किया और झूठा दावा किया कि उसके गंतव्य तक जाने वाली बस कहीं और खड़ी है।

वह उसे डिपो में खड़ी महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम शिवसाही बस में ले गया और उसका पीछा करते हुए उसमें घुस गया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ बलात्कार किया।

कथित अपराध के बाद महिला ने पुलिस से संपर्क किया और उसी दिन मंगलवार को पुलिस में मामला दर्ज किया गया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 फाल्गुन अमावस्या

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

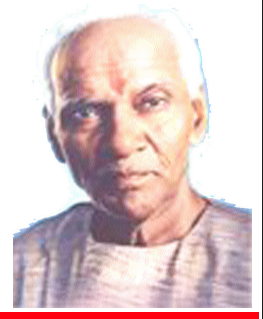

संपादकीय

वैश्विक स्तपर भारतीय कहावतें पूरी दुनियाँ सहित युद्ध पीड़ित देशों पर भी लागू हो रही है....

वैश्विक स्तपर भारतीय कहावतें पूरी दुनियाँ सहित युद्ध पीड़ित देशों पर भी लागू हो रही है जो अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप की जीत होने के बाद जिधर दम उधर हम,जिसकी लाठी उसी की भैंस, मेरी मुर्गी की एक टांग, जहां हम खड़े होते हैं वहीं से लाइन शुरू होती है, इत्यादि अनेक कहावतें एक झटके से लागू हो रहे हैं! जी हां हम बात कर रहे हैं अमेरिका में ट्रंप के राष्ट्रपति बनते ही सबसे पहले उन्होंने चुनावी सभा में किए गए वादों को पूरा करने की झड़ी सी लगा दीहै अवैध प्रवासी को बाहर का रास्ता, टैरिफ लगाना, यूक्रेन रूस युद्ध को समाप्त करवाने की प्रक्रिया शुरू करने के बाद अब अमेरिकी फर्स्ट, की तर्ज पर अर्थव्यवस्था में भारी सुधार के नाम पर रूस से बातचीत को मोहरा बनाकर यूक्रेन से खनिज संपत्ती लेना जो एक तरह का यूक्रेन को युद्ध में साथ देने की फीस है पनामा से नहर को लेना इत्यादि अनेक सुधारो की एक झड़ी सी लग गई है तो उधर यूरोपीय संघ को अलग-अलग करने की भी गुंजाइश दिख रही है, जिसे यूरोपीय यूनियन भी दंग है,वह अमेरिका से अलग-थलग यूक्रेन के साथ शिखर सम्मेलन हो रहे हैं उधर अमेरिका संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन मुद्दे पर रुस के पक्ष में वोटिंग कर दुनियाँ को चौंका दिया है। मेरा मानना है कि इन सब नीतिओं रणनीतियों के पीछे पनामा से नहर, यूक्रेन से खनिज संपदा व अनेक देशों से टैरिफ के रूप में भारी मात्रा में धन् इकट्ठा कर अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत व अपने अमेरिकी फर्स्ट की विचारधारा व लक्ष्य यानें विज़न को आगे बढ़ाना है इन सब के बीच पूरी दुनियाँ की नजरे ट्रंप जेलेंस्की की शुक्रवार को हो रही बैठक पर लगी हुई है। चूँकि यूएन में अमेरिका ने रूस का साथ देकर दुनियाँ को चौकाया है, आखिर झुक गया ही रूक्रेन, क्या इस पूरी प्रक्रिया में रुस भी मोहरा बन गया? तथा अमेरिकी फर्स्ट के आगे यूक्रेन ने घुटने टेके? अमेरिका से खनिज संबंधी शर्त पर सहमति कर शुक्रवार को वाशिंगटन में बातचीत होगी, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट की जबरदस्त घेराबंदी, यूएन में रूस का साथ, यूरोपीय यूनियन दंग,यूक्रेन धड़ाम,खनिज संपदा देने पर राजी हो गया है!

साथियों बात अगर हम 25 फ़रवरी 2025 को संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन मुद्दे पर चुनाव में अमेरिका ने रूस को साथ देने की करें तो,अमेरिका के एक कदम से यूक्रेन और राष्ट्रपति जेलेंस्की को बड़ा झटका लगा है।संयुक्त राष्ट्र के तीन प्रस्तावों पर मतदान के दौरान अमेरिका रूस के साथ खड़ा नज़र आया। यूएन में यूरोपीय संघ और यूक्रेन की ओर से रूस के हमले की निंदा से जुड़ा एक प्रस्ताव पेश किया गया था लेकिन, अमेरिका ने इस प्रस्ताव के खिलाफ वोट किया। अमेरिका के इस कदम से यूएस और यूरोप के संबंधों पर भी प्रभाव पड़ने की आशंका है, दोनों के रिश्तों में थोड़ी तल्खी भी आई है।इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिका के बदलते रुख ने एक नया संदेह को भी जन्म दे दिया है। इस प्रस्ताव के पक्ष में 93, विपक्ष में 18 और 65 मतों के साथ पारित किया गया।बता दें रूस और यूक्रेन में बीते तीन साल से जारी युद्ध को खत्म करने की मांग करते हुए संयुक्त राष्ट्र में एक प्रस्ताव पेश किया गया था, प्रस्ताव में रूस की आक्रामकता की निंदा की गई थी और रूसी सैनिकों की तत्काल वापसी की मांग की गई थी, संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिका और रूस ने यूरोप समर्थित यूक्रेन के प्रस्ताव के खिलाफ मतदान किया था इसके बाद अमेरिका ने अपने प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव पर मतदान से खुद को अलग कर लिया था। अमेरिका की इस नीति से यूक्रेन को जोरदार झटका लगा है।

राणा उदयसिंह

राणा उदयसिंह मेवाड़ के राणा साँगा के पुत्र और राणा प्रताप के पिता थे। इनका जन्म इनके पिता के मरने के बाद हुआ था और तभी गुजरात के बहादुरशाह ने चित्तौड़ नष्ट कर दिया था। इनकी माता कर्णवती द्वारा हुमायूँ को राखीबंद भाई बनाने की बात इतिहास प्रसिद्ध है। मेवाड़ की ख्यातों में इनकी रक्षा की अनेक अलौकिक कहानियाँ कही गई हैं। उदयसिंह को कर्त्तव्यपरायण धाय पन्ना के साथ बलबीर से रक्षा के लिए जगह-जगह शरण लेनी पड़ी थी। उदयसिंह 1537 ई. में मेवाड़ के राणा हुए और कुछ ही दिनों के बाद अकबर ने मेवाड़ की राजधानी चित्तौड़ पर चढ़ाई की। हज़ारों मेवाड़ियों की मृत्यु के बाद जब लगा कि चित्तौड़गढ़ अब न बचेगा तब जयमल और पत्ता आदि वीरा के हाथ में उसे छोड़ उदयसिंह अरावली के घने जंगलों में चले गए। वहाँ उन्होंने नदी की बाढ़ रोक उदयसागर नामक सरोवर का निर्माण किया था। वहीं उदयसिंह ने अपनी नई राजधानी उदयपुर बसाई। चित्तौड़ के विध्वंस के चार वर्ष बाद उदयसिंह का देहांत हो गया।

इतिहास से- राणा संग्राम सिंह उपनाम राणा सांगा एक बहुत ही वीर शासक थे। परिस्थितियों ने उनकी मृत्यु के उपरांत उनके पुत्र कुंवर उदय सिंह को वीरमाता पन्ना धाय के संरक्षण में रहने के लिए विवश कर दिया। माता पन्नाधाय ने अपने पुत्र चंदन का बलिदान देकर 'मेवाड़ के अभिशाप' बने बनवीर से मेवाड़ के भविष्य के राणा उदय सिंह की प्राण रक्षा की और उसे सुरक्षित रूप में किले से निकालकर बाहर ले गयी। तब चित्तौड़ से काफ़ी दूर राणा उदय सिंह का पालन पोषण आशाशाह नाम के एक वैश्य के घर में हुआ। इतिहासकारों ने बताया है कि माता पन्नाधाय के बलिदान की देर सवेर जब चित्तौड़ के राजदरबार के सरदारों को पता चली तो उन्होंने बनवीर जैसे दुष्ट शासक से सत्ता छीनकर राणा सांगा के पुत्र राणा उदय सिंह को सौंपने की रणनीति बनानी आरंभ कर दी। उसी रणनीति के अंतर्गत राणा उदय सिंह को चित्तौड़ लाया गया। राणा के आगमन की सूचना जैसे ही बनवीर को मिली तो वह राजदरबार से निकलकर सदा के लिए भाग गया। इससे राणा उदय सिंह ने निष्कंटक राज्य करना आरंभ किया। यह घटना 1542 की है। यही वर्ष अकबर का जन्म का वर्ष भी है।

राणा उदय सिंह की रानियाँ और संतान- राणा उदय सिंह की मृत्यु 1572 में हुई थी। उस समय उनकी अवस्था 42 वर्ष थी और उनकी सात रानियों से उन्हें 24 लड़के थे। उनकी सबसे छोटी रानी का लड़का जगमल था, जिससे उन्हें असीम अनुराग था। मृत्यु के समय राणा उदय सिंह ने अपने इसी पुत्र को अपना उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया था। लेकिन राज्य दरबार के अधिकांश सरदार लोग यह नहीं चाहते थे कि राणा उदय सिंह का उत्तराधिकारी जगमल जैसा अयोग्य राजकुमार बने। राणा उदय सिंह के काल में पहली बार सन 1566 में चढ़ाई की थी, जिसमें वह असफल रहा। इसके बाद दूसरी चढ़ाई सन 1567 में की गयी थी और वह इस किले पर अधिकार करने में इस बार सफल भी हो गया था। इसलिए राणा उदय सिंह की मृत्यु के समय उनके उत्तराधिकारी की अनिवार्य योग्यता चित्तौड़गढ़ को वापस लेने और अकबर जैसे शासक से युद्ध करने की चुनौती को स्वीकार करना था। राणा उदय सिंह के पुत्र जगमल में ऐसी योग्यता नहीं थी इसलिए राज्य दरबारियों ने उसे अपना राजा मानने से इंकार कर दिया।

अकबर से मुक़ाबला- 1567 में जब चित्तौड़गढ़ को लेकर अकबर ने इस किले का दूसरी बार घेराव किया तो यहां राणा उदय सिंह की सूझबूझ काम आयी। अकबर की पहली चढ़ाई को राणा ने असफल कर दिया था। पर जब दूसरी बार चढ़ाई की गयी तो लगभग छह माह के इस घेरे में किले के भीतर के कुओं तक में पानी समाप्त होने लगा। किले के भीतर के लोगों की और सेना की स्थिति बड़ी ही दयनीय होने लगी। तब किले के रक्षकदल सेना के उच्च पदाधिकारियों और राज्य दरबारियों ने मिलकर राणा उदय सिंह से निवेदन किया कि राणा संग्राम सिंह के उत्तराधिकारी के रूप में आप ही हमारे पास हैं, इसलिए आपकी प्राण रक्षा इस समय आवश्यक है। अत- आप को किले से सुरक्षित निकालकर हम लोग शत्रु सेना पर अंतिम बलिदान के लिए निकल पड़ें। तब राणा उदय सिंह ने सारे राजकोष को सावधानी से निकाला और उसे साथ लेकर पीछे से अपने कुछ विश्वास आरक्षकों के साथ किले को छोड़कर निकल गये। अगले दिन अकबर की सेना के साथ भयंकर युद्ध करते हुए वीर राजपूतों ने अपना अंतिम बलिदान दिया। जब अनेकों वीरों की छाती पर पैर रखता हुआ अकबर किले में घुसा तो उसे शीघ्र ही पता चल गया कि वह युद्ध तो जीत गया है, लेकिन कूटनीति में हार गया है, किला उसका हो गया है परंतु किले का कोष राणा उदय सिंह लेकर चंपत हो गये हैं। अकबर झुंझलाकर रह गया। राणा उदय सिंह ने जिस प्रकार किले के बीजक को बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की वह उनकी सूझबूझ और बहादुरी का ही प्रमाण है।

महाराणा प्रताप बने मेवाड़ाधिपति- फलस्वरूप राणा उदय सिंह की अंतिम क्रिया करने के पश्चात् राज्य दरबारियों ने राणा जगमल को राजगद्दी से उतारकर महाराणा प्रताप को उसके स्थान पर बैठा दिया। इस प्रकार एक मौन क्रांति हुई और मेवाड़ का शासक राणा उदय सिंह की इच्छा से न बनकर दरबारियों की इच्छा से महाराणा प्रताप बने। इस घटना को इसी रूप में अधिकांश इतिहासकारों ने उल्लेखित किया है। इसी घटना से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि महाराणा प्रताप और उनके पिता राणा उदय सिंह के बीच के संबंध अधिक सौहार्दपूर्ण नहीं थे। महाराणा प्रताप ने जब अपने पिता राणा उदय सिंह के द्वारा अपने छोटे भाई जगमल को अपना उत्तराधिकारी बनाते देखा तो कहा जाता है कि उस समय उन्होंने सन्यास लेने का मन बना लिया था। लेकिन राज्यदरबारियों की कृपा से उन्हें सत्ता मिल गयी और वह मेवाड़ाधिपति कहलाए। महाराणा प्रताप मेवाड़ के अधिपति बन गये तो उनके मानस को समझकर कई कवियों और लेखकों ने महाराणा संग्राम सिंह और महाराणा प्रताप के बीच खड़े राणा उदय सिंह की उपेक्षा करनी आरंभ कर दी। जिससे राणा उदय सिंह के साथ कई प्रकार के आरोप मढ़ दिये गये।

AI अपनाने पर भारतीय कंपनियों का जोर, लेकिन यहां हो रही दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अब सिर्फ चर्चा का विषय नहीं रहा। यह जरूरी बिजनेस स्ट्रैटजी बन चुका है। भारतीय कंपनियों के अधिकतर एग्जीक्यूटिव्स AI को अपनाने पर जोर दे रहे हैं। हालांकि, सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इस तकनीक की पूरी क्षमता का लाभ उठाने के लिए योग्य प्रोफेशनल्स की भारी कमी है।

लिंक्डइन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 54% HR प्रोफेशनल्स का कहना है कि उन्हें मिलने वाले जॉब एप्लिकेशन्स में से केवल आधे या उससे कम ही सभी जरूरी योग्यताओं पर खरे उतरते हैं। इसके अलावा वे तकनीकी स्किल्स (61%) और सॉफ्ट स्किल्स (57%) की कमी को सबसे बड़ी हायरिंग चुनौती मानते हैं।

भारत में सबसे मुश्किल से मिलने वाली स्किल्स- टेक्निकल/आईटी स्किल्स जैसे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और इंजीनियरिंग (44%)

AI स्किल्स (34%)

सॉफ्ट स्किल्स जैसे कम्युनिकेशन और प्रॉब्लम-सॉल्विंग (33%)

इस स्किल गैप के चलते कंपनियां अब हायरिंग प्रोसेस में ज्यादा सेलेक्टिव हो गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में भारत में आधे से ज्यादा HR प्रोफेशनल्स (55%) केवल उन्हीं कैंडिडेट्स को तवज्जो देने पर विचार कर रहे हैं, जो 80त्न या उससे अधिक जॉब क्वालिफिकेशन पूरी करते हैं।

AI को अपनाने के लिए जरूरी है सही टैलेंट- भारत लिंक्डइन का दूसरा सबसे बड़ा मार्केट है, जहां प्लेटफॉर्म के 150 मिलियन से अधिक मेंबर्स हैं और हर साल इसमें 20त्न की बढ़ोतरी हो रही है।

लिंक्डइन की इंडिया टैलेंट एंड लर्निंग सॉल्यूशंस हेड रुचि आनंद के मुताबिक, "AI अपनाना ही सफलता की कुंजी नहीं है, बल्कि इसे सही तरीके से बिजनेस में लागू करना सबसे अहम है। उन्होंने कहा, ÷कई कंपनिया AI टूल्स में भारी निवेश करती हैं, लेकिन बिना सही टैलेंट के वे इनका पूरा फायदा नहीं उठा पातीं, जिससे यह गेम-चेंजर अवसर मिस हो जाता है। इस स्किल गैप को दूर करने के लिए भारतीय कंपनियां अपने कर्मचारियों की ट्रेनिंग और स्किल डेवेलपमेंट पर फोकस कर रही हैं।

क्रेडिट कार्ड खर्च में उछाल- जनवरी 2025 में 1.84 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में डिजिटल पेमेंट का चलन तेजी से बढ़ रहा है। जनवरी 2025 में क्रेडिट कार्ड के जरिए उपभोक्ताओं ने 1.84 लाख करोड़ रुपये खर्च किए। यह पिछले साल की तुलना में 10.8त्न अधिक है। हालांकि, डिजिटल पेमेंट के मामले में यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट सिस्टम) का दबदबा बना हुआ है। यह करीब 83 फीसदी की पसंदीदा ऑनलाइन पेमेंट का तरीका है। आइए क्रेडिट कार्ड और यूपीआई के चलन का पूरा लेखाजोखा जानते हैं।

HDFC और ICICI बैंक का दबदबा- HDFC बैंक के क्रेडिट कार्ड उपयोगकर्ताओं ने 50,664 करोड़ रुपये खर्च किए, जो 15.91% की बढ़ोतरी है।

ICICI बैंक के ग्राहकों का खर्च 35,682 करोड़ रुपये रहा, जिसमें 20.25% की वृद्धि देखी गई।

एसबीआई क्रेडिट कार्ड धारकों ने 28,976 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले साल की तुलना में 6% कम है।

एक्सिस बैंक के ग्राहकों का खर्च 20,212 करोड़ रुपये रहा, जो 0.45त्न की गिरावट दर्शाता है।

क्रेडिट कार्ड की संख्या में तेज वृद्धि- आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, क्रेडिट कार्ड की संख्या पिछले पांच वर्षों में दोगुनी से अधिक बढ़कर 10.8 करोड़ हो गई। एचडीएफसी बैंक ने जनवरी में 2,99,761 नए क्रेडिट कार्ड जारी किए। एसबीआई ने 2,34,537 नए क्रेडिट कार्ड जोड़े।

NBFC और माइक्रोफाइनेंस कंपनियों को अधिक कर्ज दे सकेंगे बैंक, RBI से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और सूक्ष्म वित्त लोन देने वाली इकाइयों को बड़ी राहत दी है। अब बैंक इन कंपनियों को अधिक कर्ज दे सकेंगे, क्योंकि आरबीआई ने उनके लिए बैंक वित्त पर लागू जोखिम भारांश को घटा दिया है। इसे बैंक और NBFC के लिए बड़ी राहत के तौर पर देखा जा रहा है।

क्या है यह बदलाव और इसका असर- आरबीआई के इस निर्णय से बैंकों की ऋण देने की क्षमता में वृद्धि होगी, क्योंकि उन्हें उपभोक्ता ऋण के लिए सुरक्षा निधि के रूप में कम पूंजी अलग रखनी होगी। इससे उपभोक्ताओं को आसानी से ऋण उपलब्ध हो सकेगा और एनबीएफसी व माइक्रोफाइनेंस कंपनियों को भी फंडिंग की बेहतर सुविधा मिलेगी।

पिछले साल बढ़ाया गया था जोखिम भारांश- नवंबर 2023 में, आरबीआई ने एनबीएफसी और माइक्रोफाइनेंस कंपनियों के कर्ज देने के मानकों को कड़ा कर दिया था। इसके तहत उन सभी एनबीएफसी के लिए, जिनकी बाहरी क्रेडिट रेटिंग के अनुसार जोखिम भार 100% से कम था, उनके कर्ज पर जोखिम भार 25% तक बढ़ा दिया गया था। इससे बैंकों की मुश्किल बढ़ गई थी।

उन्हें कंपनियों को दिए जाने वाले लोन पर अतिरिक्त पूंजी अलग रखने की जरूरत पड़ रही थी, जिससे ऋण प्रवाह प्रभावित हुआ था।

क्षेत्रीय ग्रामीण और स्थानीय बैंकों के लिए नियम - आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन सूक्ष्म वित्त ऋणों को उपभोक्ता कर्ज की श्रेणी में नहीं रखा गया है और जो कुछ नियामकीय मानकों को पूरा करते हैं, उन्हें नियामकीय खुदरा पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। हालांकि, इसके लिए बैंकों को उचित नीतियां और संचालन प्रक्रियाएं लागू करनी होंगी। इसके अलावा, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और स्थानीय क्षेत्र बैंक द्वारा दिए गए माइक्रोफाइनेंस ऋणों पर 100त्न जोखिम भारांश लागू रहेगा।

यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने की तैयारी; रोजगार की नहीं होगी शर्त, सबको मिलेगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार यूनिवर्सल पेंशन स्कीम लाने पर विचार कर रही है। यह स्वैच्छिक और अंशदायी होगी। इस पेंशन योजना के लिए रोजगार कोई शर्त नहीं होगी यानी इसमें आम नागरिक भी योगदान कर सकेंगे और फिर पेंशन पा सकेंगे। इस योजना का मकसद पारंपरिक रोजगार से परे सामाजिक सुरक्षा का विस्तार करना है। रिपोर्ट के अनुसार, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने इस प्रस्तावित समग्र योजना पर विचार-विमर्श शुरू कर दिया है, जो मौजूदा पेंशन योजनाओं को एकीकृत करने की दिशा में बढ़ेगी।

यूनिवर्सल पेंशन स्कीम में क्या होगा- इस योजना को कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत बनाया जा रहा है। इसके अंतिम प्रारूप को तैयार करने के बाद अलग-अलग हितधारकों की राय ली जाएगी। नई योजना स्वैच्छिक होगी, यानी कोई भी इसमें शामिल हो सकेगा, चाहे उसके पास कोई नौकरी हो या नहीं। इससे असंगठित क्षेत्र के लोग, जैसे कि छोटे व्यापारी, स्वरोजगार करने वाले भी योजना में शामिल हो सकेंगे। इसमें प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन और राष्ट्रीय पेंशन योजना जैसी मौजूदा पेंशन योजनाओं को मर्ज किया जा सकता है।

ये योजनाएं रिटायरमेंट के बाद 3,000 की मासिक पेंशन प्रदान करती हैं, जिसमें ?55 से ?200 तक का योगदान किया जाता है, और सरकार भी इसमें बराबर का योगदान देती है।

WTO पड़ रहा कमजोर... वित्त मंत्री ने क्यों कही ये बात, क्या है भारत का नया ट्रेड प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का कहना है कि भारत को व्यापार और निवेश के लिए अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की जरूरत है, क्योंकि दुनिया में बड़े बदलाव हो रहे हैं और द्विपक्षीय सहयोग अब एक नया प्रभावी तरीका बनता जा रहा है। उन्होंने गुरुवार को BS Manthan कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि ये समय दिलचस्प लेकिन चुनौतीपूर्ण हैं और सरकार भारत को वैश्विक वृद्धि का एक प्रमुख इंजन बनाने के लिए हर मुमकिन प्रयास कर रही है।

वित्त मंत्री ने कहा, द्विपक्षीय सहयोग अब प्रमुख एजेंडे में शामिल हो रहा है... हमें व्यापार और निवेश के अलावा रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के लिए कई देशों के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाना होगा। बहुपक्षीय सहयोग अब धीरे-धीरे कमजोर हो रहा है। हालांकि, मैं इसे पूरी तरह खत्म नहीं कहूंगी, लेकिन द्विपक्षीय सहयोग ही वह प्रभावी तरीका है, जिसका उपयोग किया जा सकता है।

बहुपक्षीय संस्थाओं की घटती भूमिका- निर्मला सीतारमण ने कहा कि बहुपक्षीय संस्थान धीरे-धीरे बेअसर होते जा रहे हैं। उन्हें रिवाइव करने की कोशिश से भी मनचाहा नतीजा नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे मुद्दे जिनका प्रभाव सिर्फ एक देश तक सीमित नहीं है, उन्हें हल करने के लिए अब कोई प्रभावी मंच नहीं बचा है... बहुपक्षीय संस्थानों का योगदान धीरे-धीरे घटता जा रहा है। कम से कम निकट भविष्य में इन्हें प्रभावी बनाने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है।

वैश्विक व्यापार में बदलाव और WTO की कमजोर स्थिति - वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक व्यापार पूरी तरह से पुनर्गठित हो रहा है। उन्होंने कहा, जिस ढांचे और नियमों के तहत हम अब तक व्यापार कर रहे थे, विशेष रूप से विश्व व्यापार संगठन के तहत, वे अब प्रभावी नहीं रहे।

उन्होंने कहा कि "Most Favoured Nation (MFN)" का कॉन्सेप्ट पर प्रासंगिक नहीं रहा। हरेक देश चाहता है कि उसे विशेष दर्जा मिले और यह तय किया जाए कि यह दर्जा अपनेआप न मिले, बल्कि उसके रणनीतिक हितों को ध्यान में रखते हुए मिले। अगर WTO कमजोर हो रहा है और बहुपक्षीय संस्थान प्रभावी नहीं हैं, तो व्यापार के मामले में द्विपक्षीय समझौते अब प्राथमिकता बन जाएंगे।

21 पर आ गया 350 वाला यह शेयर, अब दिवालिया प्रोसेस पर नया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) के पहले के आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें कैफे कॉफी डे की मूल कंपनी कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड (सीडीईएल) को कॉर्पोरेट दिवालियापन समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) में शामिल किया गया था। न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा और तकनीकी सदस्य जतींद्रनाथ स्वैन की पीठ ने गुरुवार को एनसीएलटी के आदेश को रद्द कर दिया।

क्या है डिटेल- बता दें कि अगस्त 2024 में, सीडीईएल की निदेशक मालविका हेगड़े द्वारा आदेश को चुनौती देने के बाद एनसीएलएटी ने एनसीएलटी के फैसले पर रोक लगा दी। उन्होंने तर्क दिया था कि आईटीएसएल दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) की धारा 7 के तहत वित्तीय ऋणदाता के रूप में योग्य नहीं है और इसलिए, दिवाला कार्यवाही शुरू नहीं कर सकती है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

रिश्वत लेने पर चार साल की जेल, मत्सोद्योग के असिस्टेंट डायरेक्टर ने लिए थे 10 हजार

रतलाम। न्यायालय ने रिश्वत लेने के मामले में मत्सोद्योग के सहायक संचालक को 4 साल की सजा सुनाई है। मामला चार साल पुराना है, तब मत्सयोद्योग के तत्कालीन सहायक संचालक बहादुर सिंह डामर ने फरियादी से 25 हजार की रिश्वत की मांग की थी, इसके बाद रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त ने पकड़ा था।

फैसला गुरुवार को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम न्यायालय के विशेष न्यायाधीश आदित्य रावत ने सुनाया। मेघनगर, झाबुआ के रहने वाले 52 वर्षीय बहादुर सिंह को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 में चार वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। उस पर दो हजार रुपये का जुर्माना भी किया गया। फैसला सुनाने के बाद बहादुर सिंह को जेल भेज दिया गया।मछली पालन समूह से मांगे थे पैसे

प्रभारी जिला अभियोजन अधिकारी गोल्डन राय ने बताया कि दिनांक 18 दिसम्बर 2020 को फरियादी शोभाराम धाकड़ ने लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन में लिखित की थी कि वे इंदिरा स्वयं सहायता समूह मछली पालन सहकारी संस्था मर्यादित पिपलौदी जिला रतलाम के अध्यक्ष है।

सहकारी संस्था का था पट्टा

उक्त सहकारी संस्था का रूपनिया खाल जलाशय में पट्टा अनुबंध है। पट्टा अनुबंध स्वयं सहायता समूह मत्स्य पालन पिपलौदा तहसील जावरा जिला रतलाम एवं बहादुर सिंह डामर, प्रभारी सहायक संचालक, मत्स्योद्योग जिला रतलाम के मध्य संपादित होकर 10 वर्ष तक की अवधि के लिए अनुबंध किया गया है।

अनुदान के लिए रिश्वत

अनुबंध के अनुसार संस्था को अनुदान राशि प्राप्त होना थी। अनुदान राशि जारी करने के लिए बहादुर सिंह डामर 25 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। शिकायत की पुष्टि के लिए तत्कालीन डीएसपी वेदान्त शर्मा ने किया। डामर ने रिश्वत की आधी राशि लेकर आवेदक को बुलाया था।

कार्यालय में ली थी रिश्वत

शोभाराम ने 22 दिसंबर 2020 को कार्यालय में जाकर सहायक संचालक बहादुर सिंह डामर को दस हजार रुपये दिए थे। लोकायुक्त दल ने बहादुर सिंह डामर को पकड़ कर काली डायरी में रखे रिश्वत के रुपये जब्त किए थे। लोकायुक्त ने विवेचना के बाद 30 नवंबर 2022 को न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया था।

खातेगांव के निजी स्कूल का कारनामा फीस लेकर परीक्षा फार्म नहीं भरे, दर्जनभर छात्र नहीं दे सके दसवीं की परीक्षा

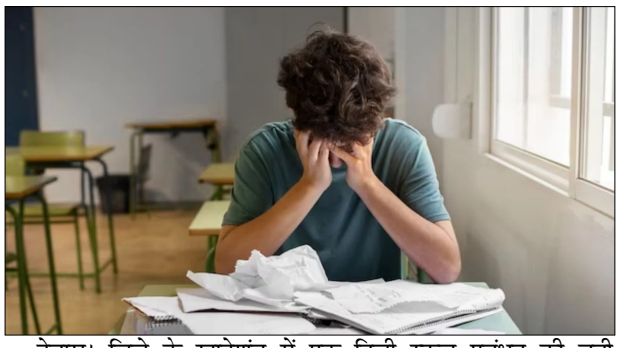

देवास। जिले के खातेगांव में एक निजी स्कूल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां दसवीं के करीब एक दर्जन परीक्षार्थियों को गुरुवार से शुरू हुई परीक्षा के पहले प्रवेश पत्र नहीं मिल पाया। इसके कारण उनका हिंदी का प्रश्न पत्र छूट गया।

जानकारी मिलने पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। यहां से बात उज्जैन संभाग मुख्यालय तक पहुंची। फिर विद्यार्थियों के शेष प्रश्न पत्रों में भागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास शुरू किए गए।वहीं जिला शिक्षाधिकारी ने मामले में जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक स्थिति में यह पता चला है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षा फॉर्म नहीं भरवाए गए थे। वहीं पालकों द्वारा समय से फीस जमा करने की बात कही गई है।

सुबह 8 बजे बुलाया गया था प्रवेश पत्र के लिए, कोई जिम्मेदार नहीं मिला

जानकारी के अनुसार, घटना न्यू लिटिल फ्लावर स्कूल की है। यहां पालकों व विद्यार्थियों को स्कूल प्रबंधन द्वारा प्रवेश पत्र देने के लिए सुबह 8 बजे बुलाया गया था। जब लोग पहुंचे, तो कोई भी जिम्मेदार नहीं मिला। संचालक के भी अते-पते नहीं थे।

इसके बाद मामला विकासखंड शिक्षाधिकारी सिमरन सूर्यवंशी के पास पहुंचा। हालांकि प्रवेश पत्र नहीं होने से कुछ नहीं हो पाया और छात्र परीक्षा में नहीं बैठ सके। मामले को लेकर स्कूल प्रबंधन से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन बात नहीं हो सकी।

आगामी प्रश्नपत्र दिलवाने के प्रयासप्रारंभिक जांच में पता चला है कि स्कूल प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के परीक्षा फार्म जमा नहीं करवाए गए थे। मामले को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की है। यदि माशिमं लेट फीस में आवेदन स्वीकार करता है तो विद्यार्थियों को आगामी प्रश्नपत्र दिलवाने के प्रयास किए जाएंगे। संबंधित स्कूल की जांच कराकर कार्रवाई की जाएगी। पालकों को पुलिस से भी शिकायत करना चाहिए।

-एच.एस. भारतीय, जिला शिक्षा अधिकारी देवास

छठी के छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या, कारण माता-पिता का अलग रहना या मोबाइल की मांग?

ग्वालियर। शहर के गिरवाई इलाके में 12 वर्षीय छात्र ने आत्महत्या कर ली। वह कक्षा 6 में पढ़ता था। उसने फांसी क्यों लगाई, यह स्पष्ट नहीं है, लेकिन इतनी कम उम्र में आत्मघाती कदम उठाने की घटना ने सभी को विचलित कर दिया है।

छात्र की परीक्षा भी चल रही थी। इसकी पुष्टि गिरवाई थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ यादव ने की है। इसके अलावा छात्रा के माता-पिता अलग रहते हैं। साथ ही छात्र अपने पिता से मोबाइल की भी मांग कर रहा था। छात्र के तनाव में होने के यही कारण हो सकते हैं। फिलहाल वजह स्पष्ट नहीं है।रात को खाना खाकर सोने गया थाज सुबह मिली लाशगिरवाई के सिकंदर कंपू इलाके में सरदारजी की मल्टी में फ्लैट नंबर-309 में नरेश बघेल अपने दो बेटों के साथ रहते हैं। उनकी पत्नी भिंड रहती हैं। करीब पांच साल से दंपती अलग रह रहे हैं।नरेश का 12 वर्षीय बेटा अखंड प्रताप सिंह बघेल कक्षा-6 का छात्र था। बीती रात वह खाना खाकर कमरे में सोने चला गया। जब सुबह उसके स्वजनों की नींद खुली वह फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।घर में चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई। गिरवाई थाना प्रभारी सुरेंद्र नाथ यादव ने बताया कि छात्र की आत्महत्या की वजह पता नहीं लग सकी है।छात्र अपने पिता से मोबाइल दिलाने की भी जिद कर रहा था। यह भी तथ्य सामने आया है। इसके अलावा दो और एंगल हैं। इन पर जांच चल रही है। स्वजनों के बयान होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मध्य प्रदेश में मार्च से बढ़ेगी गर्मी, अभी इन दो संभागों में हल्की बारिश के आसार

भोपाल। प्रदेश में मौसम का मिजाज फिलहाल नरम-गरम बना हुआ है। जहां दिन में तीखी धूप की वजह से दिन के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही हैं। वहीं रात के तापमान अभी 18 डिग्री सेल्सियस तक ही पहुंच पाया है। जबकि बुधवार को दिन का अधिकतम तापमान सबसे अधिक 35 डिग्री सेल्सियस रतलाम में दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान की बात करें तो सबसे कम 6.8 डिग्री सेल्सियस पचमढ़ी का रहा।बुधवार को उत्तरी इलाकों के बैतूल, धार, नर्मदापुरम, खंडवा, खरगोन, उज्जैन के तापमान 33 डिग्री से अधिक रहे।

वहीं पूर्वी इलाकों के मंडला, टीकमगढ़, दमोह, सिवनी, सागर, खजुराहो 31 डिग्री से अधिक रहे।

मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि अफगानिस्तान के आसपास एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है।

राजस्थान के आसपास एक प्रेरित चक्रवात है। अरब सागर से आद्रता आ रही है।

इन तीनों सिस्टम की वजह से देश के जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी हो रही है।

इसका असर प्रदेश के ग्वालियर और चंबल संभाग में अधिक पड़ रहा है।

वहां आसमान पर बादल छाए हुए हैं। शेष संभागों में कहीं-कहीं बादल छाएंगे, लेकिन ग्वालियर और चंबल में बूंदाबांदी के आसार है।

चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
भोपाल	31.2	12.6 डिग्री सेल्सियस
इंदौर	32.9	17.6 डिग्री सेल्सियस
ग्वालियर	31.9	15.5 डिग्री सेल्सियस
जबलपुर	29.9	11.8 डिग्री सेल्सियस

महाशिवरात्रि पर दर्शन कर लौट रहे थे, बोलेरो ने बाइक को पीछे से मारी टक्कर, बाप-बेटी समेत 3 की मौत

सागर। बहेरिया थाना क्षेत्र के तिनसुआ में महाशिवरात्रि पर दर्शन कर घर लौट रहे बाइक सवारों को बोलेरो ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक में सवार बाप बेटी व एक अन्य युवक की मौत हो गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, दांत सेमरा निवासी नेतराम पटेल अपनी बेटी रुचि को लेकर महाशिवरात्रि पर भगवान के दर्शन के लिए बहेरिया स्थित बड़े शंकर जी मंदिर गए हुए थे। जहां से बुधवार रात मोटरसाइकिल में राहुल लोधी के साथ तीनों गांव लौट रहे थे।ग्राम तिनसुआ के पास में रोड पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में राहुल लोधी और पिता नेतराम पटेल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी रुचि पटेल को गंभीर हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया।गुरुवार को तीनों शवों का पोस्टमार्टम करवा कर स्वजन को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मंत्री श्री सिलावट एवं विधायक श्री मधु वर्मा ने गुटकेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का पूजन कर जलाभिषेक किया

इंदौर। महाशिवरात्रि के अवसर पर डबलचौकी व देवगुराड़िया के गुटकेश्वर महादेव मंदिर में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा। जनपद पंचायत इंदौर के तत्वाधान में आयोजित मेले का शुभारंभ जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, क्षेत्रीय विधायक श्री मधु वर्मा, जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया द्वारा फीता काट कर किया गया। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट एवं विधायक श्री मधु वर्मा ने गुटकेश्वर महादेव मंदिर परिसर में भगवान भोलेनाथ का पूजन कर जलाभिषेक किया। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि प्रदेश में शान्ति, समृद्धि और विकास का संकल्प ही हमारा संकल्प है। भगवान ने हमें सेवा का अवसर दिया है, उसे पूरी ईमानदारी पूरा करें। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले भक्तजनों एवं महिलाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। मेले में पीने के लिए पर्याप्त पानी तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखें। मेले के दौरान एवं आयोजन के बाद कचरा साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा जाए, स्वच्छता के क्षेत्र में इंदौर का नाम विश्व पटल पर है। मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को खिचड़ी वितरित कर खरीदी भी की। मेले में उन्होंने बर्तन की दुकान से सामानों की खरीदारी एवं बेर बेचने वाली एक महिला से खट्टे-मीठे बेर भी खरीदें। मेले में झूले, खिलौने सहित अन्य मनोरंजन की दुकानें लगी है। जनपद अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह सिसोदिया ने मंदिर के जीर्णोद्धार की बात पर मंत्री श्री सिलावट ने देवगुराड़िया मंदिर के लिए प्रस्ताव बनाने की बात कहीं। इस अवसर पर वरिष्ठ राजनेता श्री देवराज सिंह परिहार, श्री रवि रावलिया, जिला पंचायत सदस्य श्री रामेश्वर चौहान, श्री सतीश मालवीय, मण्डल अध्यक्ष श्री मुरली व्यास, श्री आनन्द जाट आदि उपस्थित थे।

निपानिया, तुलसी नगर के शिवालयों में धूम, शिव बारात और महाआरती ने मोहा मन

इंदौर। महाशिवरात्रि महोत्सव शहर के निपानिया क्षेत्र सहित तुलसी नगर, महालक्ष्मी नगर, साई कृपा, पावन धाम, अमृत पैलेस और समर पार्क जैसी अनेक कॉलोनियों में पूर्ण धार्मिक आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। भोर से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। तुलसी नगर स्थित चंद्रमोलेश्वर महादेव, अनंतेश्वर महादेव और सोमेश्वर महादेव मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों ने जल, दूध, पुष्प और बेलपत्र अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की।

श्री तुलसी सरस्वती सोशल वेलफेयर सोसाइटी और तुलसी नगर रहवासी संघ के तत्वावधान में सरस्वती धाम स्थित चंद्रमोलेश्वर महादेव मंदिर में प्रातः 4 से 6 बजे तक महाभिषेक संपन्न हुआ। संध्या 4 बजे भगवान शिव की भव्य बारात नगर भ्रमण के लिए निकली, जो विभिन्न सेक्टर्स से होते हुए अनंतेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सम्पन्न हुई। इसके बाद मंदिर में विशेष श्रृंगार किया गया और रात 8 बजे भक्तिमय माहौल में महाआरती का आयोजन हुआ।

महाशिवरात्रि के अवसर पर तुलसी नगर स्थित सरस्वती धाम में पंडित प्रेम नारायण पंचोली के नेतृत्व में पांच दिवसीय रुद्राभिषेक अनुष्ठान हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु सपत्नीक शामिल हुए। भक्तिभाव से ओतप्रोत माहौल में भजन-कीर्तन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें कॉलोनी के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और प्रसिद्ध भजन गायकों ने सुमधुर शिव भजनों की प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

होलकर विज्ञान महाविद्यालय में हुई घटना के संबंध में कलेक्टर आशीष सिंह द्वारा कराई गई जांच की रिपोर्ट हुई प्राप्त

इंदौर। इंदौर के होलकर विज्ञान महाविद्यालय में गत दिनों हुई घटना के संबंध में कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा कराई गई जांच की रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। यह जांच अपर कलेक्टर श्री राजेंद्र सिंह रघुवंशी द्वारा की गई थी। जांच में पाया गया कि प्राचार्य द्वारा प्रस्तुत शिकायत सत्य हैं। जांच रिपोर्ट में बताया गया कि छात्रों द्वारा बिना प्राचार्य की अनुमति के महाविद्यालय परिसर में होली उत्सव मनाने के पोस्टर 23 फरवरी 2025 को लगाये थे, जिसे प्राचार्य के निर्देश पर हटवाया गया था। जिसके विरोध में छात्रों द्वारा प्रदर्शन किया गया। आलेख द्विवेदी, पीयूष, सचिन राजपूत एवं सना द्वारा छात्र-छात्राओं के आन्दोलन का नेतृत्व किया जा रहा था। आंदोलनकारी छात्रों द्वारा ही यशवन्त हॉल के दरवाजे की चिटकनी लगाकर दरवाजा बन्द करने एवं हॉल में विद्युत सप्लाई बाधित करने का कार्य किया गया था। छात्रों का उक्त कृत्य निश्चित रूप से अनुशासनहीनता हैं।

इसको देखते हुए नेतृत्वकर्ता आलेख द्विवेदी, पीयूष, सचिन राजपूत एवं सना के विरुद्ध महाविद्यालय की अनुशासन समिति से कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाने की अनुशंसा की गई हैं।

मध्यस्थता एवं लोक अदालत जागरूकता मैराथन दौड़ का आयोजन 2 मार्च को

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर के प्रशासनिक न्यायाधिपति/अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर श्री विवेक रूसिया के निर्देशन में मध्यस्थता एवं लोक अदालत जागरूकता मैराथन दौड का आयोजन किया जाना है। इन्दौर स्वच्छता के साथ-साथ मध्यस्थता के क्षेत्र में भी दिन प्रतिदिन नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। न्यायाधिपति द्वारा मध्यस्थता एवं लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संबंध में आमजन को सूचित किये जाने हेतु मध्यस्थता एवं लोक अदालत मैराथन दौड़ का आयोजन 02 मार्च 2025 को सुबह 07:30 से किया जायेगा।

मैराथन दौड़ में समस्त न्यायाधिपतिगण के साथ-साथ जिला न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण, प्रशासनिक अधिकारी, पुलिस अधिकारी, उच्च न्यायालय एवं जिला न्यायालय के अधिवक्तागण, सामुदायिक मध्यस्थगण, जिले के पैरालीगल वालेंटियर, लीगल ऐड डिफेंस काउंसेल, पैनल अधिवक्ता तथा विधिक सेवा के क्षेत्र में कार्य कर रहे स्थानीय एन.जी.ओ. एवं स्वयंसेवी शामिल होंगे। उक्त मैराथन दौड़ का शुभारंभ प्रशासनिक न्यायाधिपति/अध्यक्ष उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इन्दौर श्री विवेक रूसिया द्वारा अन्य न्यायाधिपतिगण की उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर किया जायेगा। इस मैराथन दौड़ का उद्देश्य मध्यस्थता एवं लोक अदालत जागरूकता को बढ़ावा देना है।

मैराथन दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप राशि के साथ-साथ मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जायेगा एवं सम्मिलित प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं कैप प्रदान किया जायेगा।

पद्मश्री भैरुसिंह चौहान का स्वागत, कबीर भजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

इंदौर। श्री गीता रामेश्वर ट्रस्ट के तत्वाधान में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद के शहीदी दिवस के अवसर पर मालवा कबीर लोकगीत गायक श्री भैरूसिंह चौहान को पद्मश्री मिलने पर उनका नागरिक अभिनंदन बिचौली मर्दाना स्थित विद्यासागर स्कूल परिसर में किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि पद्मश्री प्रहलाद टीपाडिया थे उन्होंने कहा कि कबीर को गाकर और समझकर गायन करना हर किसी के बस की बात नहीं। कबीर के आशीर्वाद से ही आज मुझे भी पद्मश्री मिली। मैं आपको सम्मानित करके अपने आप को गौरान्वित अनुभव करता हूँ।

पद्मश्री से नवाजे गए कालूराम बामनिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम सब संतकबीर के ही शिष्य हैं, जो आज उनके गाए हुए गीतों का कारण अलख जगा रहे हैं।

इस अवसर पर पद्मश्री 2025 से सम्मानित श्री भैरूसिंह चौहान का नागरिक अभिनंदन अ.भा. कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से राधेश्याम, पटेल, जगदीश जोशी, बीएसफ के पूर्व आईजी मो. जियाउल्ला थे।

इस अवसर पर संयुक्त रूप से गायन तीनों पद्मश्री ने किया- जरा हलके गाड़ी हांको मेरे राम गाड़ी वाले...' एवं आदत बूरी सुधार लो बस हो गया भजन के साथ-साथ गुरू गुण का साधन तमको लाख-लाख वंदन..., जेठ मास गर्मी को यो महिनों प्रेम व्यास लग जावे, म्हारी सदा रामरस भिनी चादर झिण्डी-झिण्डी होजी, राम रस प्याला भर पूरा पियो होई गटगट, की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

प्रारंभ का अतिथियों का स्वागत ट्रस्ट की ओरसे विनोद सत्यनारायण पटेल, चेतन चौधरी, गणेश वर्मा, नरेन्द्र सूर्यवंशी, मिथिलेष जोशी आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन मदन परमालिया ने किया। आभार चेतन चौधरी ने माना।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी — संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास — संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य — कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा — उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय — विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव — विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे — ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर — संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर — संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी — विशेष प्रतिनिधि

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

त्रिकालदर्शी भगवान महाकालेश्वर जी ने महाशिवरात्रि के दूसरे दिन पुष्प मुकुट धारण कर भक्तों को दिये दर्शन

वर्ष में एक बार दोपहर में होने वाली भस्मार्ती से भक्त हुए अभिभूत

उज्जैन । उज्जयिनी में स्थित विश्व प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक दक्षिण मुखी श्री महाकालेश्वर मंदिर में विराजमान भगवान श्री महादेव ने महाशिवरात्रि पर्व के दूसरे दिन 27 फरवरी को प्रातः पुष्प मुकुट (सेहरा) धारण कर भक्तों को अपने दिव्यरूप में दर्शन दिये।

उसके उपरांत वर्ष में एक ही बार महाशिवरात्रि के दूसरे दिन भगवान श्री महाकालेश्वर की दोपहर में भस्मार्ती सम्पन्न हुई। महाशिवरात्रि पर्व पर लगातार भगवान शिव के दर्शन 44 घण्टे दर्शनार्थियों ने किये भगवान श्री महाकालेश्वर जी के सवामन पुष्प मुकुट(सेहरा) के दर्शन प्रातः से प्रारम्भ हुआ तत्पश्चात पूर्वान्हः 10ः30 बजे के लगभग मुकुट उतारा गया।

इसके बाद अपराह्न 12 बजे

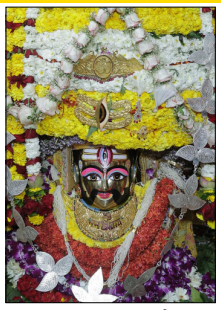

भगवान महाकालेश्वर की वर्ष में एक बार दोपहर में होने वाली भस्मार्ती प्रारंभ हुई। भस्मार्ती में भक्तों ने ध्यान मग्न होकर भगवान भोले नाथ की आरती का दर्शन लाभ लिया।

महाशिवरात्रि पर्व 2025 पर भगवान श्री महाकालेश्वर रात्रि विश्राम नहीं करते है। सम्पूर्ण रात्रि भगवान का परम्परानुसार विशेष महापूजन अभिषेक होता है और इस दौरान सतत 44 घण्टे अपने भक्तों को दर्शन देते है।महाशिवरात्रि पर्व के पूर्व 17 फरवरी से 25 फरवरी तक शिव नवरात्रि से भगवान श्री महाकाल के अलग-अलग रूपों में हजारों भक्तों ने दर्शन लाभ लेकर पुण्य प्राप्त किया।भगवान श्री महाकालेश्वर जी नित नूतन और अभिनव रूपों में भक्तों को दर्शन देते है। कभी प्राकृतिक रूप में, तो कभी राजसी रूप में आभूषण धारण कर तो कभी भांग, चंदन, सूखे मेवे से तो कभी फल, पुष्प से सजते है। संभवतः विश्व में अकेले श्री महाकालेश्वर भगवान ही है जो इतने रूपों में दर्शन होते है। 27 फरवरी 2025 को दोपहर की भस्मार्ती का दर्शनार्थियों ने लाभ लिया ।महाशिवरात्रि पर्व 26 फरवरी प्रातः02:30 बजे से 27 फरवरी दोपहर 11:00 बजे तक लगभग 06 लाख 01 हजार 663 श्रद्धालुओं ने श्री महाकालेश्वर भगवान के दर्शन किये। 01 मार्च 2025 को सायं श्री महाकालेश्वर भगवान के पंचमुखारविन्द दर्शन के साथ महाशिवरात्रि पर्व का समापन होगा। श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं जिला कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा एवं ए.डी.एम. व प्रशासक श्री प्रथम कौशिक ने की गई व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करने पर सबका आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया।

सीनियर काउंसिल एडवोकेट श्री शर्मा को एक्सीलेंस अवॉर्ड

उज्जैन। जेसीआई उज्जैन द्वारा वर्ष 2024 का एक्सीलेंस अवार्ड हाई कोर्ट एडवोकेट श्री वीरेंद्र शर्मा को देकर सम्मानित किया गया। ज्ञातव्य है मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने उज्जैन के अभिभाषक श्री वीरेंद्र शर्मा को सीनरी डेजिग्नेटेड काउंसिल नियुक्त किया है।

यह उज्जैन के न्याय जगत के लिए गौरवान्वित उपलब्धि है, श्री शर्मा को उनकी न्याय जगत में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जेसीआई उज्जैन द्वारा जेसीआई एक्सीलेंस अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया, इस अवसर पर संस्था के संस्थापक अध्यक्ष विवेक गुप्ता एडवोकेट, अध्यक्ष आलोक ऐरन, सचिव आनंद पोरवाल,कोफाउंडर मनीष दुग्गड ,आनंद जड़िया,निवर्तमान अध्यक्ष अभिषेक मित्तल,पूर्व अध्यक्ष मनीष चोपड़ा, धीरेन्द्र जैन, मृदुल बंसल, पवन जैन सिद्ध बंसल, अजय मित्तल, अंकित बंसल, अमीश जैन के साथ रोहित तोतला,अभिषेक कंकरेचा, रतिन नीमा,आनंद पोरवाल अन्नू,गिरीश सोनी,पुनीत मित्तल,विशाल गांधी,प्रशांत सोनी,अश्विन पोरवाल,रोहित सूद अंकित पोरवाल,ऋषभ अग्रवाल,नितिन गर्ग,डॉ अर्पित ऐरन,सुमित अग्रवाल,रितेश खंडेलवाल मनीष केसवानी,कृतिक शर्मा,सुधीर सर्राफ ,निलेश अग्रवाल, प्रमीथ बधेका,इंद्र जयसिंघानी आदि उपस्थित थे ।

पुष्पों से सजा अंगारेश्वर महादेव का सेहरा

उज्जैन। महाशिवरात्रि महापर्व पर अंगारेश्वर महादेव मंदिर में महादेव का अद्भुत श्रृंगार कर सेहरा सजाया गया।

पुजारी पं मनीष उपाध्याय एवं रोहित गुरू के अनुसार पुष्पों से महादेव का सेहरा सजाकर मनोहारी श्रृंगार किया गया। सुबह आरती के पश्चात प्रसादी वितरण किया। साथ ही फरियाली खीर का वितरण किया गया। हजारों की संख्या में भक्तों ने बाबा अँगारेश्वर के दर्शन किये।

श्री प्रकटेश्वर महादेव बने दुल्हा, सजा सेहरा सुखे मेवे, फुलो से सजा सेहरा, रबडी कलाकंद का भोग लगाया

उज्जैन। श्री प्रकटेश्वर महादेव मंदिर फ्रीगंज पर श्री शिव विष्णु समिति द्वारा शिवरात्री उत्सव के तहत बाबा का सुखे मेवा व फुलो से सेहरा सजाया गया। संध्या समय सेहरे के दर्शन हुए, रबडी कलाकंद का भोग लगाया गया।

मंदिर पुजारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि मंदिर पर पुरे दिन ठंडाई के प्रसाद का वितरण हुआ। फ्रीगंज के रहवासियों के सहयोग से 7 क्विंटल ठंडाई का भोग लगा कर वितरण किया गया। वहीं पुजारी परिवार की तरफ से श्री शिव विष्णु समिति के माध्यम से ढाई क्विंटल फलाहारी खिचडी का वितरण किया गया। जनसहयोग से ढाई क्विंटल खीर वितरण की गई। मंदिर पर शिवरात्री का उत्सव धुम धाम जन सहयोग से संपन्न होने पर मंदिर पुजारी परिवार ने सभी भक्तों का आभार व्यक्त किया।

लाइफ़टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित हुई प्रोफेसर सोनल सिंह

लाइब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन नई दिल्ली ने प्रो. सोनल सिंह को प्रदान किया लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त हुई कला संकाय की संकायाध्यक्ष तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सोनल सिंह को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। प्रोफेसर सोनल सिंह ने अपने जीवनकाल में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विषय क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिसके लिए उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

प्रोफेसर सोनल सिंह ने अपने करियर में कई उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं जिनमें उनके शोधकार्य, शोध पत्र प्रकाशन, अनुवाद कार्य, पुस्तक प्रकाशन, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का संयोजन, पुस्तकालय स्वचालन की वर्कशॉप का आयोजन, छत्तीस वर्षों का शैक्षणिक अनुभव, विभागाध्यक्ष का प्रशासकीय अनुभव, अध्ययनमंडल अध्यक्ष, शोध सलाहकार समिति अध्यक्ष, शोधोपाधि समिति अध्यक्ष, विक्रम विश्वविद्यालय की कोर्ट मेम्बर, अकेडमिक काउंसिल की स्थाई समिति की सदस्य, आदि अनेक महत्वपूर्ण योगदान दिए हैं। पुस्तकालय विज्ञान शिक्षण और पुस्तकालयों के विकास हेतु इनके समर्पण और उत्कृष्ट योगदान को पहचान कर ÷लाइब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन, नई दिल्ली÷ के द्वारा उन्हें लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

प्रोफेसर सोनल सिंह को ये सम्मान दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में लाइब्रेरी प्रोफेशनल एसोसिएशन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र में प्रदान किया गया। इस अवसर पर महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार के कुलपति तथा उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. संजय श्रीवास्तव ने प्रो. सोनल सिंह का शॉल पहना कर स्वागत किया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कर रहीं गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने प्रो. सोनल सिंह को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया।

दूल्हा स्वरूप में सजा रामेश्वर महादेव का सेहरा, महाआरती हुई

उज्जैन। बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका में शिवरात्रि महापर्व पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शिप्रा किनारे स्थित रामेश्वर महादेव मंदिर पर रामेश्वर महादेव एवं विराट हनुमान भक्त मंडल द्वारा पंडित डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल के आचार्यत्त्व में भव्य सामूहिक कालसर्प दोष महा पूजन का आयोजन किया गया।

शिवरात्रि महापर्व पर सुबह से ही रामेश्वर महादेव मंदिर पर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। पंडित डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल एवं ब्राह्मणों द्वारा रामेश्वर महादेव का पंचामृत अभिषेक कर पूजन किया गया। महाशिवरात्रि पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी पंडित डॉ विशाल लक्ष्मीकांत शुक्ल के आश्चर्यत्त्व में सामूहिक कालसर्प दोष महापूजन का आयोजन किया गया। इस पूजन में प्रदेश सहित देश के बाहर से भी कई श्रद्धालुओं ने पूजा में भाग लिया। लगभग 4 घंटे चली कालसर्प दोष पूजा की पूर्णाहुति के बाद पंडित शुक्ला द्वारा सभी को आशीर्वाद स्वरुप रुद्राक्ष एवं यंत्र भेंट किए गए। देर शाम रामेश्वर महादेव को दूल्हा की तरह आकर्षक श्रंगार कर सेहरा पहनाया गया एवं महाआरती हुई।

आपको बता दे कि बाबा महाकाल की नगरी अवंतिका में रामेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग पूरे विश्व में केवल एक ही ऐसा शिवलिंग है जो अपनी धरा पर चारों दिशाओं में घूमता है। प्राचीन मान्यता अनुसार भगवान राम ने इनकी स्थापना यहां पर की थी तभी से इनका नाम रामेश्वर महादेव हुआ है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com